शहीद अस्पताल
स्वास्थ्य संगवारी

अंक - 10
अक्टूबर 2024
फोन : 75877 58107

मेहनतकशों के स्वास्थ्य के लिए
मेहनतकशों का अपना कार्यक्रम
सहयोग राशि रू. 10.00 मात्र

e-mail : shaheedhospital@gmail.com
Website : www.shaheedhospital.org

लाल जोहार साथियों हमारी स्वास्थ्य पत्रिका के इस अंक में आपका स्वागत है ।

शहीद अस्पताल द्वारा प्रकाशित स्वास्थ्य पत्रिका के पिछले अंक में हम मानसिक स्वास्थ्य बीमारी से संबंधित चर्चा किये थे, इस अंक में सर्पदंश पर चर्चा करेंगे।

संपादकीय

दुनिया में कई प्रजाति के सांप पाये जाते है लेकिन हमारे क्षेत्र में ज्यादातर जहरीला और बिना जहर वाले प्रजाति के सांप देखने को मिलता है। किसी को कोई भी सांप कांट लेता है तो उसे बैगा के पास ले जाकर अपना समय न गंवाये बल्कि तत्काल अस्पताल ले जाये और पीड़ित को भी अस्पताल जाने की सलाह दें। उचित जानकारी के अभाव में कई बार लोगों की मौत भी हो जाती है। आप जानते है सांप काटने से लोगों की जिंदगी खतरे में पड़ जाती है लेकिन लोगों की जिंदगी बचाने के लिए सांप के जहर से दवा भी बनाई जाती है। इन दवाई का उपयोग कई बीमारियों जैसे दिल का दौरा, अल्ज़ाइमर रोग के ईलाज में किया जाता है। सांप जब कांटते है तो हमें मारने या नुकसान पहुंचाने के लिए नही कांटते ये भी अपने बचाव के लिए कांटते है लेकिन सांप के कांटने पर उसे मार देते हैं। कभी भी सांप के कांटने पर सांप को मारे न चाहे वह कोई भी सांप हो। हमारे देश में हर वर्ष करीब 60 हजार लोगो की मृत्यू सांप कांटने से होता है। सटीक जानकारी और समय पर सही ईलाज होने से मृत्यू रोके जा सकते है।

हमारे देश में ज्यादातर दो प्रकार के सांप पाएं जाते है:-

1. एक होता है जहरीला सांप।
2. दूसरा होता है बिना जहर।

1. जहरीला सांप:- जहरीला सांप में करैत, नाग, जेदर्रा व अन्य प्रजाति की सांप आते है। इसमें करैत व नांग सांप के कांटने से सीधे नस प्रभावित होता है। जेदर्रा सांप के कांटने से मरीज का खून नहीं जमता है। इसीलिंए मरीज का खून गुर्दा, आंख, नाक या शरीर के अन्य हिस्से से निकलता है। जहरीला सांप के कांटे हुए मरीज का सही समय पर ईलाज नहीं होने से मरीज की मृत्यू हो सकता है।

करैत:- करैत सांप अक्सर रात में कांटता है। जो व्यक्ति जमीन में सोते है और मच्छरदानी नहीं लगाते है उनको रात में करैत कांट सकता है। इस सांप के कांटने पर पेट दर्द, उल्टी, गले में कुछ अंदर नहीं जाना, निगलने में दिक्कत, आंख का बंद होना, आंख का ठीक से नहीं खुलना, चक्कर आना जैसे लक्षण देखकर जाना जाता है कि उस आदमी को जहरीला सांप ने कांटा है।

जेदर्रा:- जेदर्रा सांप बहुत सुस्त प्रकार का होता है। ये सांप ज्यादातर झाड़ियो में काम करने वाले लोगो को कांटते है।

नाग:- नाग सबसे तेज सांप होता है जो बहुत आवाज करता है। यह चूहे खाने के लिए घर में घुस जाता है। यह घर में धान, गेहूं बोरी भंडारण के पीछे छुपा रहता है। इस सांप के कांटने पर बहुत जल्द ईलाज की जरूरत होती है।

2. बिना जहरीला सांप:- बिना जहर वाला सांप हमारे क्षेत्र में अधिकतर पाया जाता है। ये सिर्फ अपने बचाव के लिए कांटता है। यह ज्यादातर पानी में पाया जाता है। बिना जहर वाले सांप जुड़ामहामंडल, अजगर, पिरपिट्टी, ढ़ोड़िया, असोड़िया, मुड़हेली आदि सांप पाया जाता है।

बिच्छु का डंक

सांप के साथ बिच्छु का नाम हमेशा लोग लेते हैं। बिच्छु झोप-झाड़ी, घर के आसपास रहता हैं। कई बार यह घर के अन्दर आ जाता है। बिच्छु का डंक रहता है। बिच्छु के डंक मारने से दर्द होता है। बहुत जलन होता है। डंक मारने का जगह सुजन हो जाता है। आमतौर पर बिच्छु ज्यादा जहरीला नहीं होता है। इसलिए प्राथमिक ईलाज करने से ठीक हो जाता है। लेकिन कुछ बिच्छु बहुत जहरीला होता है। इसके काटने से मृत्यु भी हो सकता है।

जहरीला बिच्छु काटने के लक्षण –

चक्कर आना	बहुत जलन होना	दिल का धड़कन बढ जाना
श्वांस में तकलीफ होना।	डंक मारने की जगह का सुन्न हो जाना।	दिल का दौरा पड़ना।

बिच्छु के डंक मारने पर मरीज को बिच्छु जहर नाशक दवाई और अन्य जरूरी दवाई देना पड़ता है। इसलिए बिच्छु के डंक मारने पर ईलाज के लिए अस्पताल जरूर जाना चाहिए।

जोखिम भरी गतिविधियां और रोकथाम

घर में

क्या करें -

- घर को चूहा रहित रखें।
- चूहे के बिल को बंद करें, नाली को जाली से बंद करें।
- पलंग या बाजवट पर मच्छरदानी लगा कर सोएं।

क्या न करें -

- कचरा या अन्य सामान को जमीन पर न छोड़े।
- खपरा, ईंट, लकड़ी इत्यादि के ढ़ेर न बनाएं।
- अनाज के ढ़ेर भी ध्यान से बनाएं।
- दरवाजे और खिड़की के पास पौधे न लगाएं।

खेतों में

- खेतों में काम शुरु करने से पहले एक डंडी से पीटकर या टटोल कर देखें।

कब ध्यान दें -

- घास काटना, निंदाई करते समय
- घास या अनाज के ढेर को उठाने पर
- फसल कटाई के समय
- जिस जगह को देख नही सकते वहां हाथ या पांव न डाले।
- लकड़ी इकट्ठा करते समय।
- पेड़ के जड़ो के पास काम करते समय।

पैदल चलते समय

क्या करें -

- अंधेरे में टार्च का उपयोग करें।
- जूते पहने।
- भारी पांव (पैर बजाते हुए चले)।
- जहां पांव रखें वहां ध्यान से देखे।
- लकड़ी या डंडा लेकर टहलने जाएं लेकिन सांप को किसी भी प्रकार से हानि न पहुंचाए।

ध्यान दें कब -

- शाम या रात में।
- वो रास्ता जहां झाड़ या घास अधिक है।
- पानी के पास या जब नहा रहे हों।

प्रथम उपचार

दिलासा दो और समझाओ

- 70 प्रतिशत सर्पदंश बिना जहर वाले सांप से होते हैं।
- बाकी 30 प्रतिशत जहर वाले सांप के कांटने में। उसमें भी सिर्फ 50 प्रतिशत में जहर अंदर आता है। अन्य सिर्फ चमड़ी तक ही सीमित होते हैं।

अस्पताल जल्दी पहुंचे

- बिना देरी के।
- पारंपरिक दवा पर समय बर्बाद न करे।

काटने की जगह को बिल्कुल स्थिर रखना

- परचाली या SPLINT के साथ जैस हड्डी टूटने में बांधते हैं।
- कोई बहुत कसी पट्टी न बांधे।
- सांप कांटे स्थान (घाव) को कांटने या चूसने की आवश्यकता नही है।

जहर फैलने के चिन्ह

- सूजन के फैलने को नापें।
- जिस समय जहर के लक्षण उभरे, उसे नोट करें और डॉक्टर को बताएं।

सर्पदंश के बाद क्या न करें

1. **घबराएं नहीं!**
घबराने से शरीर में जहर तेजी से फैलता है।

2. **दौड़े नहीं!**
तनाव से शरीर में जहर फैलने की गति भी तेज हो जाती है।

3. **साँप को मारने की कोशिश मत करो!**
यह आपको या किसी दूसरे को दोबारा काट सकता है!

4 **काटने वाली जगह को मत चूसो!**
आप किसी भी जहर को नहीं निकाल पाएंगे और यदि आपके मुंह में घाव हैं तो जहर फैलने का खतरा बढ़ जाता है

5. **काटने वाली जगह को मत काटो!**
आप कोई भी जहर नहीं निकाल पाएंगे और चोट लगने से स्थिति और भी बदतर हो जाएगी!

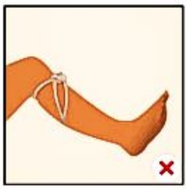

6. **कभी भी रस्सी या किसी चीज से सीधे से न बांधें!**
रस्सी या किसी चीज से सीधे बांधने से अंग खोने के जोखिम के साथ रक्त परिसंचरण को रोकते हैं !

7. **रोगी को पीठ के बल न लिटायें!**
इस स्थिति में रोगी को श्वास नली में उल्टी हो सकती है और उसका दम घुट सकता है! बेहोशी या लकवाग्रस्त होने पर जोखिम सबसे अधिक होता है।

8. **मरीज़ को किसी पारंपरिक चिकित्सक के पास न ले जाएँ!**
पारंपरिक चिकित्सा सर्पदंश का इलाज नहीं करती है। एंटीवेनम से मरीज का इलाज करने में कीमती समय बर्बाद हो जाता है।

- **व्यक्ति की मृत्यू सांप के जहर से कम डरने से दिल का दौरा पड़ने से होता है।**
- **जहरीला सांप के कांटने से जहर हमेशा अंदर नहीं जाता है इस किस्म के सर्पदंश को ड्राई बाईट (Dry Bite) कहा जाता है। इसमें मृत्यू नहीं होता है।**
- **कृषि कार्य में रासायनिक खाद, कीटनाशक दवाई का उपयोग न करें इससे कीड़े-मकोड़े, मेंढक व सांप विलुप्त होते जा रहे है।**

सर्पदंश के बाद क्या करें

1. **शांत रहें!**
   शांत रहने से शरीर में जहर का प्रसार धीमा हो जाता है।

2. **एम्बुलेंस या अन्य परिवहन के लिए कॉल करें!**
   रोगी को तुरंत निकटतम स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल में ले जाया जाना चाहिए जहां एंटीवेनम उपलब्ध है।

3. **साँप से दूर हटे!**
   साँप से दूर जाने से दूसरी बार काटे जाने से बचा जा सकेगा!

4. **घाव को अकेला छोड़ दो!**
   घाव के साथ छेड़छाड़ करने से घाव और भी बदतर हो जाता है।

5 **आभूषण, घड़ियाँ, अंगों को सजाने वाले आभूषण हटा दें!**
सूज़न बढ़ने पर आभूषण, घड़ियाँ और अंगों को सजाने वाले आभूषण रक्त प्रवाह को रोक सकते हैं। एक उंगली या हाथ खोने का ख़तरा है।

6. **काटे हुए अंग को स्थिर करें!**
   काटे गए अंग को स्थिर करने से जहर का प्रसार धीमा हो जाता है।

7 **रोगी को बायीं करवट लिटायें!**
यह स्थिति उल्टी को श्वासनली में जाने और दम घुटने से रोकती है।

8. **यदि कोई अन्य परिवहन उपलब्ध नहीं है तो रोगी को (स्वयं निर्मित) स्ट्रेचर से ले जाएँ!**
   यह परिवहन मोड रोगी को शरीर में जहर के प्रसार को धीमा कर देता है।

9. **पीड़ित को निकटतम अस्पताल में ले जाएँ जहाँ विष रोधी दवा हो!**
   समय बर्बाद न करें, रोगी को एंटीवेनम की आवश्यकता हो सकती है।

10. **प्रेशर बैंडेज जरूर लगाएं!**
    रक्त में जहर के प्रवेश और जीवन-घातक जहर के प्रभाव में देरी होगी।

11. **काटे हुए अंग को स्थिर करें!**
    काटे गए अंग के साथ काटने की जगह से जहर के परिवहन और जीवन-घातक जहर के प्रभाव में देरी होगी।

तीन दोस्तों की कहानी

प्रिय साथियो,

आप लोगो को तीन दोस्तों की कहानी सुनाने जा रहे है.....मेरा नाम करैत है और मेरे दो दोस्त जिसका नाम नाग और जेदर्रा है।

हम सांप, आप लोगो को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते। आप लोगों को जानबूझकर नहीं कांटते है। गर्मी के समय निकल पड़ते है। तीन महीना सोने के बाद भूख लगता है इसलिए खाना ढुंढ़ने के लिए निकल पड़ते है। मैं (करैत) हमेशा घर के आसपास रहता हूं। रात में ठंड लगता है। इसलिए आपके शरीर का ताप लेने के लिए आपके पास सो जाता हूं। जो जमीन में सोते है और जो मच्छरदानी नहीं लगाते उनके पास सो जाता हूं। अनजाने में आपके छूने से डरकर काट लेता हूं। मेरे पतले दांत आपके शरीर में चूभ जाता है। और मैं चला जाता हूं। दिन में मैं (करैत) कभी किसी को कांटता नहीं हूं।

मेरा दूसरा दोस्त जेदर्रा वो तो आलसी है। खाना के तलाश में छोटे-छोटे झाड़ियो, घास में छूपा रहता है। आप लोग अनजाने में उसके ऊपर पैर रख देते है इसलिए डर से काट देता है।

मेरा तीसरा दोस्त नाग है वो तेज है। आवाज करता रहता है। घर के अंदर फटे बोरी, डिब्बा के पीछे छुपा रहता है। चूहा ढूढंते रहता है लेकिन गलती से आप उनके संपर्क में आ जाते है तो वह आपको कांट देता है। आपको कांटने से हमारा कोई फायदा नहीं है हम अपना जहर अपने शिकार को मारने के लिए छोड़ते है।

असल में आप लोग गलती करते देते है अच्छी फसल के लिए खेत में कीटनाशक डालने से मेढ़क एवं अनेक प्रकार के कीड़े मर जाते है जिससे हमें भोजन नहीं मिल पाता और हमें भूखा रहना पड़ता है। आप लोगों को हम तीन दोस्त की ओर से विशेष अनुरोध है कि आप हमें नहीं मारना। हमारे बहुत सारा दोस्त आप लोगो के द्वारा मर चूका है। हम भी एक प्रकार से आपका दोस्त की तरह है क्योंकि हम अनाज और फसलों को चूहा से बचाते है। चूहों को खाकर अपना भोजन बनाकर उसे दूर करते है।

साथियों हमें मत मारना। हम लोग आपके साथी है आपको कुछ होने से हमें ज्यादा दुख होता है।

आपका साथी- **करैत, नाग, जेदर्रा**

फिल्मों में साँप का दृश्य

भारतीय सिनेमा और दूसरे देश की सिनेमा सांप पर आधारित फिल्म बनाते है जिसमें अक्सर देखा जाता है कि महिला सांप का रुप धारण कर लेता है। कभी सांप महिला का रुप धारण करके नायक के साथ प्रेम करता है। कभी-कभी देखा जाता है कि सांप दूध पीने के लिए घर आ जाता है सांप के लिए दूध रखा जाता है। लेकिन सांप कभी दूध नहीं पीता है। सांप बच्चा पैदा नही करता अण्डा देता है। अण्डा देने वाला प्रजाति दूध नही पीता। कभी-कभी ये देखा जाता है कि सांप दुश्मन को याद रखकर बाद में आकर कांट देता है लेकिन सांप का याददाश्त नहीं रहता। सांप की पूजा करने के बाद शरीर से जहर निकालने के लिए दोबारा कांटता है। नायक जिंदा हो जाता है। यह सब गलत है। बैगा (ओझा) लोग भी आम लोगो में गलत धारणा फैलानें की कोशिश करता है। साधारण सांप जिसका जहर नहीं होता है उसका जहर उतारने के लिए पूजा-अर्चना करता है। मृत व्यक्ति को बचाने के लिए बहुत प्रयास करता है। सांप को लेकर लोगों के बीच अजीब-अजीब धारणा है असल में हम लोग सांप से डरते है। सांप कांटने से मृत्यू का डर रहता है। हमें सांप के बारे में सही जानकारी रखना है। स्कूल में सांप के बारे में और सांप कांटने पर क्या करना है पढ़ाया जाना चाहिए।

सर्पदंश से स्वस्थ हुए मरीजों की कहानी

मैं अफरेस कुमार, निवासी- ग्राम व पोस्ट - चिखली, तहसील- डोंडी, जिला-बालोद।

मेरी बेटी दिपांजली दिनांक 9-8-23 को TV देखने के बाद रात 10 बजे बिस्तर पर सोने गई तो सांप ने उसके पैर में कांट लिया। सांप बिस्तर में कम्बल के नीचे था सांप के काटने के बाद वो अपने माँ को बताई तो उसकी माँ उसे पकड़ कर रोने लगी। तभी रोने की आवाज सुनकर आस पड़ोस वाले लोग घर पर आ गए। उसके बाद बैगा लोगो को भी बुलाये की दीपांजली को सर्प ने काट लिया है। फिर थोड़ी देर बाद उसे पेट दर्द, उल्टी, आंख का नहीं दिखना ये सब होने लगा तो हम लोग रात में लगभग 12:00 -12.30 बजे शहीद अस्पताल लेकर आये जब दीपांजली को शहीद अस्पताल लाये है तो वो मौत से लड़ रहीं थी। उसे तत्काल कृत्रिम सांस(ventilators) दिया गया। अस्पताल में खून जांच करके उसे सांप विष रोधी दवा (Anti snack Venom) दिया गया। तब भी उसकी स्थिति में सुधार नही था। उसके बाद सुबह 5:50 को फिर से सांप विष रोधी दवा दिया गया दूसरे दिन उसके शरीर में थोडा हलचल आया। उसको नाम से बुलाते थे तो वो हमारी बाते सुनती थी लेकिन बात करने की हालत में नही थी। तीसरे दिन उसकी हालत में सुधार आया चिमटी करने से या कुछ पूछने से कुछ हलचल था। चौथे दिन उसे ventilators से बाहर करने के लिए 13-8-23 को सुबह कोशिश किया गया। फिर शाम को उसे ventilators से बाहर किया गया। तब वो बात करने की स्थिति में थी और बात कर पा रही थी। फिर 14-8-23 को ठीक हो गई जिससे उसे वार्ड में Sift किया गया। एवं दिनांक 20-8-23 को अस्पताल से छ्ट्टी दिया गया।

उसे करैत सांप ने कांटा था। करैत सांप रात में बिस्तर पर कांटता है लोग कहते है की बिस्तर पर सर्प नहीं चढ़ता लेकिन ऐसा नहीं है। वो सर्प बिस्तर पर ही कंटता है। क्योंकि वो ठंड में गर्मी ढूढंता है। कभी भी सांप कांटे तो धोखे में न रहे। बैगा के पास समय न गवाए तत्काल अस्पताल जाएं सांप के काटने से अस्पताल जाने में देर करने से जान भी जा सकती है।

नाम- अजय खारवार, पिता- सुख विलाश

वर्तमान पता- गिधाली, पो.- गिधाली, तह.- डौंडीलोहारा, जिला-बालोद

अजय खारवार बाहर राज्य का रहने वाला है वो यहाँ गिधाली प्लांट में काम करता है। रात्रि ड्यूटी में जब वो सोये थे उसके सिर को कुछ काटने जैसे लगा। जब कुछ काटा है करके उसे पता चला तब उन्होंने अपने अन्य साथियों को आवाज दिया। काटने की जगह को देखने से पता चला कि सांप ने काटा है। तब उन लोगो ने गाड़ी का व्यवस्था किया और सुबह 4:20 बजे शहीद अस्पताल लेकर आये। तब तक देर हो चुका था। सांप ने 14. 08. 2023 को 1:30 बजे काटा था। उनका स्थिति बहुत की खराब था। उनको उल्टी, पेट दर्द, आंख का बंद होना ये सारी समस्याएँ हो रही थी। उनका ब्लड जांच करके सांप विष रोधी दवा दिया गया। कृत्रिम सांस (ventilators) दिया गया। तीसरे दिन बाद होश में आया। जिससे उसे वार्ड में Sift किया गया एवं दिनांक 19.08.2023 को अस्पताल से छ्ट्टी दिया गया।

सास बहु के गोठबात

सास - रुपा जल्दी खाना बना दे बहु सोहन हा खेत मा दवा छीते बर जाही धान में बड़ बीमारी होथे मरत हे धान हा।

बहु - ठिक है माँ लेकिन जादा दवा नई छितना चाहि ओकर ले हमन ला भी नुकसान हो सकत है। अउ खेत में रथे जीव साप, चूहा मन तो मर हो जाथे।

सास- बने तो होथे साप हा तो आदमी मन ला चाबथे, अऊ मुसवा हा धान ला नुकसान करथे।
दवा छीते ले ह मन ला नुकसान नई होय धान बने होथे। देखत हस न मंडी में धान के किमत बढ़त जात हे।

बहु- सबो सांप में जहर नई रहये माँ आदमी मन तो सांप के काटे ले डर के सिरियस हो जाथे।
अऊ डाक्टर मन तो बोलते सांप काटे से जल्दी अस्पताल जाना हे सरकार से मुफ्त मे दवा अऊ इलाज मिलथे।

सास - ओकर ले बने तो हमर गांव के बइगा हे साप चाबे रथे ते जगा ला बांध देते जहर फैले ला नई दे अउ फुक झाड़ के बने कर देथे।
तुहर डॉक्टर मन तो जमुना दीदी के घर वाले ला पऊर साल साप चाबे रिहिस। एक महिना ले अस्पताल में भरती रिहिस। डॉक्टर मन ओकर गोड़ ल काट दिन दई।

बहु- अइसन बात नई हे माँ डॉक्टर मन बताथे सांप काटे के जगह ला हमन कस के बांध दे थन ओकर ले खुन के दौरा बन्द हो जाथे फेर ओ जगा के चमड़ी काला पड़के सड़ जाथे। कभी कभी सड़न बड़ के पुरा शरीर के नुकसान कर देही तेकर ले ओ जगह ला काटना पड़ते मां। डॉक्टर मन मरीज के जान बचाये बर करथे सब। अई बने बताय बहु।
ले माँ खाना बन के तुहर बेटा बा बुलाव खाना खाके खेत जही।

सास- ले ठीक है बहु।

सर्पदंश जहर नाशक दवाई

Antivenum (जहर नाशक दवाई) के बारे में थोड़ा चर्चा होना जरूरी है। अपने देश में सांप कांटने से जहर नाशक दवाई चार सांप- नाग, सामान्य करैत, जेदर्रा और स्केल्ड वाइपर (जेदर्रा) के जहर से तैयार होता है। देश में उपरोक्त चार सांप के अलावा दूसरा जहरीला सांप काटता हे लेकिन इसके लिए कोई जहर नाशक दवाई नहीं है। विशेष रूप से तमिलनाडु में एक विशेष आदिवासी जाति (ईरुला जनजाति) सांप पकड़ते है और कोआपरेटिव सोसायटी बनाकर चार किस्म के सांप से जहर निकालते है। जिसे Antivenum बनाने वाले कंपनी खरीद कर Antivenum बनाते है।

कुछ जरूरी बातेः-

- सांप कांटने से तुरंत अस्पताल जाएं।
- जहरीला सांप कांटने से 10 vial Antivenum इंजेक्शन लगवाना जरुरी है।
- सभी उम्र के लोगों की मात्रा एक ही है।
- कोई जांच करने की आवश्यकता नही होती।
- Antivenum पार्श क्रिया रोकने का दवाई साथ में रखना जरूरी है।

सम्मानीय पाठकों से निवेदन है कि पत्रिका से संबंधित आवश्यक सुझाव हेतु शहीद अस्पताल के पते पर पत्र-व्यवहार या ई-मेल द्वारा अपने सुझाव भेज सकते है ।

संपादक - दीपांजली, कमलेश सारथी, हेमलता "स्टाफ सिस्टर", खिलेश्वर "कम्प्यू. ऑप." शहीद अस्पताल, दल्ली राजहरा मुद्रक - राव प्रिंटर्स, राजहरा

स्वास्थ्य संगवारी के अगले अंक में सड़क दुर्घटना के बारे में चर्चा करेंगे ।